# लापरवाह जनता, बाजारों में भारी भीड़

## मास्क न लगाने वालों के खिलाफ पुलिस ने चलाया अभियान

अमर भारती संवाददाता

**शामली।** जिला प्रशासन भले ही कितनी भी अपील कर ले, लोग सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। न तो बाजारों में भीड रुकने का नाम नहीं ले रही है और न ही दुकानों पर सोशल डिस्टेंस का पालन नहीं किया जा रहा है जिससे शहर में कोरोना संक्रमण फैलने का खतरा बढता जा रहा है। भीड के कारण बाजारों में जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस ने भी जगह-जगह चेकिंग अभियान चलाकर वाहन चालकों के चालान काटकर उनसे जुर्माना वसूला लेकिन इसके बावजूद भी लोग अपने वाहनों पर धडल्ले से निकल रहे हैं। जानकारी के अनुसार जिले में कोरोना का संकट खत्म नहीं हुआ है, प्रतिदिन कहीं न कहीं कोरोना संक्रमित मरीजों के मिलने का सिलसिला जारी है। जिलाधिकारी जसजीत कौर व एसपी विनीत जायसवाल बार-बार लोगों से एक जगह भीड न लगाने, बाजारों में जरूरी होने पर ही जाने, मास्क का प्रयोग करने, वाहन चलाते समय हेलमेट, मास्क व सीट बैल्ट का प्रयोग करने की अपील कर रहे हैं लेकिन लोग इन अपीलों की धज्जियां उडा रहे हैं। डीएम द्वारा बाजारों के खोलने के समय में भी परिवर्तन किया है, बाजार अब सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक खुल रहे हैं। शुक्रवार को भी बाजारों में लोगों की भारी भीड उमड पडी। गांधी चैंक, सब्जी मंडी, बडा बाजार, नया बाजार, कबाडी बाजार, नेहरु मार्किट, सुभाष चैंक, धीमानपुरा, भिक्की मोड, माजरा रोड, टंकी रोड आदि पर लोगों की अच्छी खासी भीड दिखाई दी। बाजारों में तो हालत इतनी खराब है कि एक दुकान पर कई कई लोग खरीददारी के लिए पहुंच रहे हैं, इनमें से कुछ लोग तो बिना मास्क के ही पहुंच जाते हैं और दुकानदार देखकर भी अनजान बने रहते हैं। सोशल डिस्टेंस का कहीं भी पालन नहीं किया जा रहा है जिससे कोरोना के फैलने का खतरा लगातार बढता जा रहा है। बाजारों में भीड के कारण भीषण जाम की स्थिति भी बनी रही। धीमानपुरा, सुभाष चैंक, हनुमान रोड, वीवी इंटर कालेज, बुढाना रोड, विजय चैंक पर वाहनों की लंबी-लंबी लाइनें लगी रही जिस कारण लोगों को घंटों जाम में फंसा रहना पडा। जाम खुलवाने के लिए पुलिसकर्मी भी मशक्कत करते देखे जाते हैं। दूसरी ओर शुक्रवार को पुलिस ने वाहन चलाते समय हेलमेट, मास्क व सीट बैल्ट न लगाने वालों के खिलाफ ताबडतोड अभियान चलाया। इस दौरान कई वाहन चालकों के चालान काटकर उनसे जुर्माना भी वसूला गया लेकिन इसके बाद भी लोग पूरी तरह लापरवाही बरत रहे हैं और धडल्ले से अपने वाहनों पर बाजारों में पहुंच रहे हैं।

# युवती निकली कोरोना पॉजिटिव, मचा हडकम्प

- स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कोरोना पॉजिटिव युवती के परिजनों व क्लोज कोंटेक्ट छह लोगों को 14 दिनों के लिये किया क्वारंटीन, दो अलग- अलग मोहल्लों में भी अभियान चलाकर 42 लोगों की गयी रेंडम सैंपलिंग

अमर भारती संवाददाता

**कैराना।** कैराना निवासी युवती मेरठ में कोराना पॉजिटिव मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हडकंप मच गया। आनन-फानन में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने परिजनों व क्लॉज कॉटेक्ट तलाश कर छह लोगों के सैंपल जांच को भेजे। वहीं टीम ने जामा मस्जिद एरिया से 25 व मोहल्ला छडियान से 17 लोगों की रेंडम सैंपलिंग की है। शुक्रवार को कैराना के मोहल्ला सरावज्ञान निवासी युवती की मेरठ में कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हडकंप मच गया। सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम ब्लॉक सैंपलिंग नोडल अधिकारी अतुल गर्ग के नेतृत्व में मोहल्ला सरावज्ञान पहुंची और युवती के परिजनों समेत कुल छह लोगों के सैंपल लिये। बताया जाता है कि कोरोना पॉजिटिव पीडित युवती अचानक गिरकर चोटिल हो गयी थी, जिसे मेरठ के एक निजि अस्पताल में उपचार के लिये भर्ती कराया गया था, जहां उसकी कोरोना जांच कराई गयी थी। जांच रिपोर्ट पॉजिटिव पाये जाने पर आज स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उसके परिजनों व क्लोज कोंटेक्ट खंगालकर छह लोगों के सैंपल जांच को भेजे हैं। उधर बृहस्पतिवार को पानीपत बैंक में कार्य करने वाले छडियान निवासी युवक की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद आज स्वास्थ्य विभाग की टीम ने परिजनों व क्लोज कोंटेक्ट सहित 17 लोगों के सैंपल लेकर जांच को भेजे हैं। इसी के साथ- साथ जामा मस्जिद एरिये में भी अभियान चलाकर 25 लोगों की रेंडम सैंपलिग की गयी है। ब्लॉक सैंपलिंग नोडल अधिकारी अतुल गर्ग ने बताया कि कैराना के मोहल्ला सरावज्ञान निवासी युवती मेरठ में उपचार के दौरान कोरोना पॉजिटिव पाई गयी है, जिसके बाद परिजनों व क्लोज कोंटेक्ट सहित छह लोगों के सैंपल लेकर लैब को भेजे गये हैं और उन्हें 14 दिनों के लिये क्वारंटीन कर दिया गया है।

# न्यायालय के आदेश पर आधा दर्जन दबंगों पर मुकदमा दर्ज

अमर भारती संवाददाता

**कैराना।** पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर घर में घुसकर लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर गंभीर घायल करने के आरोप में आधा दर्जन दबंगों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया है। ज्ञात रहे कि कैराना कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र के गांव इस्सोपुर खुरगान में मुखबिर खास की सूचना पर छापेमारी करते हुए 25 मई को मुनतियाज नामक युवक को गोमांस के साथ गिरफ्तार किया था। आरोप है कि तभी से उसके परिवार के लोग आरिफ पुत्र मैसू निवासी इस्सोपुर खुरगान के परिवार वालों से रंजिश रखने लगा था। गोतस्कर का कथन था कि मुखबिरी कर मुन्तियाज को गिरफ्तार कराया गया है। इसी रंजिश के चलते इरशाद, इकराम, इनाम, शावेज, इसलाम व सालिम समस्त निवासीगण गांव इस्सोपुर खुरगान ने एक राय होकर आरिफके परिवार पर 15 जून की रात्रि लोहे रॉड से कातिलाना हमला कर दिया था, जिसमें जुनैद सहित परिवार के अन्य लोग घायल हो गये थे। बाद में गंभीर घायल जुनैद को जिला अस्पताल के लिये रेफर कर दिया था।

# 'मरीज के शरीर का ऑक्सीजन लेवल भी चेक करें चिकित्सक'

अमर भारती संवाददाता

**बुढ़ाना।** उपजिलाधिकारी कुमार भूपेंद्र ने कस्बे के रजिस्टर्ड चिकित्सकों? के साथ मीटिंग कर उनको आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। तहसील सभागार में आयोजित बैठक में उप जिलाधिकारी कुमार भूपेंद्र ने बैठक में सब चिकित्सकों को बताया कि आप लोगों के पास जो भी नजला, खांसी, जुकाम या बुखार के लक्षण वाला मरीज आता है। तो आप उसका रिकॉर्ड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर विक्रांत तेवतिया या फिर नेत्र परीक्षण अधिकारी डॉक्टर उमंग श्रीवास्तव को उपलब्ध कराएं। जिससे समय रहते मरीज की जांच कर बुढ़ाना में फैल रहे कोरोना वायरस को बड़े आराम से रोका जा सके और कोरोना बीमारी की लगातार बढ़ रही चेन को तोड़ने में प्रशासन का सहयोग हो सके। इसी के साथ साथ उन्होंने बताया कि आप मरीज को सावधानीपूर्वक उचित दूरी बनाकर देखें और संभव हो सके तो नजला, खांसी, जुखाम और बुखार वाले मरीज को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ाना पर इलाज कराने की सलाह दें अथवा दूरभाष के माध्यम से ही उनकी समस्या का समाधान करें। उन्होंने यह भी कहा कि सभी डॉक्टर मरीजों को अंदर लेने से पहले उनके हाथ अच्छी प्रकार से सैनिटाइज करायें और उनके शरीर का ऑक्सीजन लेवल भी चेक करें।

# बूंदाबांदी ने बढाई उमस, लोग हुए मुहाल

**शामली।** शुक्रवार को भी गर्मी का प्रकोप बना रहा। दोपहर के समय हुई हल्की बूंदाबांदी के बाद निकली तेज धूप ने उमस बढा दी जिससे लोग गर्मी में मुहाल हो गए। गर्मी के कारण लोगों का पसीना निकल गया। उमस व गर्मी से राहत पाने के लिए लोग सिर व मुंह को ढके नजर आए लेकिन राहत नही मिल सकी। बाजारों में भी दोपहर बाद लोगों की चहल-पहल कम ही नजर आयी। जानकारी के अनुसार पिछले करीब तीन माह से गर्मी ने अपना प्रचंड रूप दिखा रखा है, लोग तेज बारिश के लिए भी तरस गए हैं। गर्मी का आलम यह है कि लोगों को कहीं भी चैन नहीं मिल पा रहा है। गर्मी से बचने के सभी उपाय फेल हो रहे हैं। चिलचिलाती धूप के कारण मकान भट्टी की तरह तप रहे हैं जिनमें रहना मुश्किल हो रहा है।

# सांसद ने टॉपर छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

**शामली।** कैराना सांसद प्रदीप चैधरी ने शुक्रवार को सिल्वर बैल्स पब्लिक स्कूल के टॉपर छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को बधाई दी। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को कैराना सांसद प्रदीप चैधरी ने शहर के सिल्वर बैल्स पब्लिक स्कूल पहुंचकर सीबीएसई की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के परीक्षा परिणाम में टॉपर रहे छात्र-छात्राओं को उपहार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि पढाई के बिना जीवन अधूरा है, स्कूल के बच्चों ने हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा में जो सफलता प्राप्त की है वह सराहनीय है। बच्चों को मेहनत से पढाई कर अच्छे अंक लाकर अपने जिला, स्कूल व माता-पिता का नाम रोशन करना चाहिए। इस अवसर पर स्कूल चेयरमैन अरूण बंसल, अजय संगल, अतुल बंसल, अनिल गोयल, प्रधानाचार्य एके गोयल आदि भी मौजूद रहे।

# हलकी बूंदाबांदी से मिली राहत

**कैराना।** शुक्रवार की दोपहर हलकी बूंदाबांदी से मौसम खुशगवार हो गया,जिससे उमस भरी गर्मी से राहत मिली। शुक्रवार की दोपहर घने बादल आसमान में छा गये और हलकी बूंदाबांदी शुरू हो गयी। घने बादलों को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि आसमान में छाये बादल जरूर बरसेंगे और उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी, लेकिन मामूली बारिश से कुछ देर के लिये भीषण गर्मी से राहत जरूर मिली। उसके बाद उमस में इजाफा हो गया और आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पडा। वर्षा न होने से किसानों के चहरों की रौनक उड गयी और वह ईश्वर से वर्षा के लिये प्रार्थना करते नजर आये।

# विधुत आपूर्ति ठप होने से नगरवासी बेहाल

**कैराना।** लाइट शिफ्टिंग का कार्य शुरू होने के बाद कैराना नगर की विधुत सप्लाई बाधित हो गई। लगातार बत्ती गुल रहने से नगरवासियों में हाहाकार मच गया। भषण गर्मी से बेहाल लोग पसीना पसीना नज़र आये। शुक्रवार की प्रातः लगभग नौ बजे से कंडेला इंडस्ट्रियल एरिया में लाइट शिफ्टिंग का कार्य प्रारंभ होने के चलते कैराना नगर की विधुत सप्लाई बाधित हो गई, जिसके चलते नगर में पूरी तरह से विधुत आपूर्ति ठप रही, जिससे न सिर्फ मनुष्यों कों परेशनियों का।सामना करना पड़ा, बल्कि पशुओं को भी परेशानी झेलनी पड़ी। पशु पालकों का कहना है कि विधुत आपूर्ति ठप रहने से पशुओं के नहलाने में खासी दिक़्क़तों का सामना करना पड़ रहा है। समय और चारा नही मिल पा रहा है।

# सर्पदंश से विवाहिता की हालत बिगड़ी

**कैराना।** घर के सहन में गेस सिलेंडर पर खाना बना रही विवाहिता को सांप ने काट लिया। हालत बिगड़ने ओर विवाहिता को हरियाणा जे सनौली में भर्ती कराया गया है। क्षेत्र के गांव मवी निवासी शौकीन की पत्नि दोपहर के समय घर के आंगन में गैस सिलेंडर पर खाना बना रही थी कि इसी दौरान अचानक सांपने काट लिया। थोड़ी देर बाद अचानक विवाहिता की तबियत बिगड़ गई, जिसके बाद परिजनों में हड़कंप मच गया। आनन फानन में विवाहिता को पानीपत के सनौली में भर्ती कराया गया है, जहां विवाहिता की हालत में सुधार बताया गया है। बताया जाता है कि सर्पदंश के बाद विवाहिता ने उसे नज़र अंदाज़ कर दिया। विवाहिता को नही मालूम था कि ज़हरीले सर्पदंश ने उसके पैर में डंक मारा है। सच्चाई पता लगने के बाद महिला की दिमागी हालत खराब हो गई।

# पिकअप कार व बाइक की भिड़ंत

**कांधला।** क्षेत्र के गंगेरू मार्ग पर पिकअप कार व बाइक की भिड़ंत हो गई जिसमें बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पिकअप कार चालक कार को लेकर मौके से फरार हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को कस्बे के राजकीय अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया है। शुक्रवार को गंगेरू निवासी रजत मुरसलीन मुजम्मिल बाइक पर सवार होकर गंगेरू से कस्बे में किसी कार्य से आ रहे थे। तभी बाइक सवारों की टक्कर कांधला की ओर से जा रही पिकअप कार से हो गई जिससे बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए घायलों की चीख-पुकार सुन राहगीरों की सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने बाइक सवार घायलों को कस्बे के राजकीय अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया है जहां चिकित्सकों ने घायलों की प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है घायलों ने अज्ञात पिकअप कार चालक के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है पुलिस ने कार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

# खुले में शौच करने वालों पर कार्रवाई की मांग

## गांव पंजीठ में खुले में शौच कर संक्रामक रोगों को आमंत्रित कर रहे हैं ग्रामीण, कमेटी सदस्य हैं नदारद

अमर भारती संवाददाता

**कैराना।** देश में फैली कोरोना महामारी के बीच स्वच्छ भारत मिशन अभियान दम तोडता नजर आ रहा है। जहां सरकार कोरोना वायरस की रोकथाम के लिये अनेकों कदम उठा रही है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में शौच कर ग्रामीण संक्रामक रोगों को न्यौता दे रहे हैं। कोरोना काल में सरकार स्वच्छता के प्रति जागरूक करने व संक्रमण फैलने से रोकने के लिये अनेकों उपाये कर रही है। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी कोरोना वायरस को रोकने के लिये दिन रात मेहनत कर रहे हैं। बावजूद इसके ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी खुले में शौच किया जा रहा है, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ गया है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रत्येक गांव में सरकार की ओर से करोडों रूपयों की लागत से शौचलयों का निर्माण कराया गया है,लेकिन लापरवाह ग्रामीण अभी भी खुले में शौच कर रहे हैं। सरकार ने कोरोना वायरस को रोकने के लिये कडे कदम उठाये है और गाईडलाई जारी करके जनता को जागरूक करने का प्रयास किया है। जिसके मुताबिक सार्वजनिक स्थानों पर थूकना व बिना मास्क लगाये घूमने वालों पर कार्यवाही के निर्देश दिये हैं। खुले में शौच कर अपनी वह दूसरों की जान खतरे में डालने वालों पर भी कोई कार्यवाही होगी। बताया जाता है कि प्रत्येक गांव में ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव के नेतृत्व में भारत स्वच्छ मिशन के तहत कमेटी का गठन किया गया था,जिसे गांव में साफ-सफाई संबंध कार्यो पर नजर रखने का जिम्मा सौंपा गया था। कमेटी के सभी सदस्य नदारद हैं और ग्रामीण खुले में शौच कर न सिर्फ गांव में गंदगी फैला रहे, बल्कि ग्रामीणों की जान खतरे में डालर संक्रामक रोगों को दावत दे रहे हैं। क्षेत्र के गांव पंजीठ निवासी दर्जनों ग्रमीणों ने बताया कि गांव में अभी भी बडी संख्या में लोग खुले में शौच कर रहे हैं, जिनके खिलाफ आजतक कोई कार्यवाही अमल में नही लायी गयी है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो गांव में संक्रामक रोग फैल सकते हैं, जिसकी जिम्मेदारी ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव की होगी। पीडित ग्रामीणों ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत सरकार से शौचालयों के नाम पर दस हजार रूपयों का अनुदान प्राप्त करने के बाद भी खुले में शौच करने वालों के खिलाफकडी कार्यवाही की मांग की है।

# जिलाधिकारी से शिकायत कर समस्या से निजात दिलाने की मांग

अमर भारती संवाददाता

**कांधला।** कस्बे की टीचर कॉलोनी में पालिका प्रशासन की लापरवाही से गलियों में कीचड़ फैला हुआ है जिसे कॉलोनी वासी सहित राहगीर भी कीचड़ में गिरकर घायल हो रहे हैं कॉलोनी वासियों ने जिलाधिकारी शामली से शिकायत कर समस्या से निजात की मांग की है। कस्बे के टीचर कॉलोनी में तीन दिन पहले हुई बरसात के बाद सड़कों पर कीचड़ फैला हुआ है कीचड़ में राहगीर गिर कर घायल हो रहे हैं ।वही कॉलोनी वासी भी सड़कों पर फैले कीचड़ से परेशान हैं कॉलोनी वासियों का आरोप है कि कई बार पालिका प्रशासन से समस्या से निजात दिलाए जाने की मांग कर चुके हैं मगर पालिका प्रशासन इस ओर कोई भी ध्यान नहीं दे रहा जिसके चलते कॉलोनी वासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है कॉलोनी वासियों ने शुक्रवार को जिलाधिकारी शामली जसजीत कौर को पत्र भेजकर समस्या से निजात की मांग की है इस दौरान प्रदीप शर्मा अनिल कुमार महेंद्र सिंह दिलदार जंग रतन सिंह अमित कुमार राहुल राकेश आदि मौजूद रहे।

# अलग-अलग गांवों से चार युवतियां लापता

## एक वापस लौटी, तीन का अभी तक नहीं लगा कोई सुराग

**गढीपुख्ता।** गढीपुख्ता क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में पिछले एक माह के दौरान चार युवतियां घर से लापता हो गयी। चर्चा है कि उक्त युवतियां प्रेम प्रसंग के चलते घर से फरार हुई है। एक युवती तो वापस लौट आयी लेकिन तीन युवतियों को अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। परिजनों ने गढीपुख्ता थाने में युवतियों की गुमशुदगी भी दर्ज करायी है लेकिन पुलिस भी अभी तक युवतियों का सुराग लगाने में कामयाब नही हो सकी है। जानकारी के अनुसार कोरोना संक्रमण के कारण जिले में लॉक डाउन लागू था जिसे चलते लोगों के घरों से बाहर निकलने पर प्रतिबंध लगा हुआ था लेकिन शासन द्वारा पिछले दिनों अनलॉक लागू करने के बाद पुलिस ने भी सख्ती काफी कम कर दी है और लोग बाजारों में आ जा सकते हैं, इसी अनलॉक का फायदा प्रेमी युगल भी जमकर उठा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला गढीपुख्ता क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में देखने को मिला है। एक माह में इन गांवों से चार युवतियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गयी हैं। गांवों में चर्चा है कि उक्त युवतियां अनलॉक का फायदा उठाकर अपने-अपने प्रेमी के साथ घर से फरार हुई हैं। हालांकि इन चार युवतियों में से एक युवती तो दो दिन बाद ही वापस लौट आयी। युवती ने बताया कि उसे उसका प्रेमी बाइक पर बैठाकर ले गया था, जहां एक रात को उसे शामली में रखा गया बाद में प्रेमी उसे बागपत ले गया जहां वह उसे छोडकर फरार हो गया।

# संदिग्ध परिस्थितियों में युवती ने लगाई फांसी

**शामली।** शहर की रेलवे कालोनी में एक युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दूसरी ओर परिजनों का कहना है कि युवती काफी समय से बीमार चल रही थी और संभवतः बीमारी से तंग आकर उसने आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार शहर की रेलवे कालोनी निवासी मोतीलाल गैंगमैन के रूप में काम करता है। गुरुवार की रात परिवार के सभी लोग खाना खाकर अपने-अपने कमरों में सोने के लिए चले गए। शुक्रवार की सुबह सभी परिजन सोकर उठे लेकिन मोतीराम की पुत्री के कमरे का दरवाजा नहीं खुला जिससे परिजनों में चिंता बढ गयी। परिजनों ने किसी प्रकार दरवाजा खोला तो देखा कि युवती फांसी पर लटकी हुई है जिससे उनमें कोहराम मच गया।

# हॉटस्पॉट इलाके में दुकान खोलने वालों पर होगी कार्रवाई

अमर भारती संवाददाता

**बुढ़ाना।** मैं जैसे-जैसे कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। इसी दौरान कस्बे के कुछ लोग होम क्वारंटाइन होने के बाद भी चंद पैसों की खातिर अपनी दुकानें खोलकर और लोगों की जिंदगी को खतरे में डाल रहे हैं। आपको बता दें कि कस्बे में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा जहां पर कोरोना पॉजिटिव मिले थे वहां के इलाकों को सीज कर हॉटस्पॉट बना दिया गया है। वह इलाका कस्बे के मेन बाजार में लगता है। जिसमें हॉटस्पॉट बनने के बाद भी उस इलाके में जो लोग होम क्वारंटाइन हुए है वह लोग चंद रुपयों की खातिर दुकानें खोलकर बैठे हैं। और लोगों की भी जिंदगी को खतरे में डाल रहे हैं। इस मामले को लेकर बुढ़ाना एसडीएम कुमार भूपेंद्र का कहना है कि होम क्वॉरेंटाइन होने के बाद भी जो लोग दुकाने खोल रहे हैं यह सरासर गलत है। यह लोग दूसरों की जिंदगी को संकट में डाल रहे हैं। यह कानून की श्रेणी में अपराध है।

# कैंप लगाकर 45 विद्युतकर्मियों के लिए गये कोरोना सैंपल

**बुढ़ाना।** शुक्रवार के दिन ब्लाक परिसर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाये गये कैंप में 45 विद्युतकर्मियों के कोरोना सैंपल लिए गए। इसके लिए विद्युत विभाग ने स्वास्थ्य विभाग का पूर्ण सहयोग किया। मिली जानकारी के मुताबिक बुढ़ाना में दिन प्रतिदिन एक एक करके कोरोना के बढ़ रहे मरीजों की संख्या को लेकर विद्युत विभाग ने भी अपने अधिकारियों व कर्मचारियों के स्वास्थ को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाये गये कैंप में सहयोग करते हुए सभी विद्युत अधिकारी व कर्मचारियों के अलावा संविदा कर्मचारियों के भी कोरोना टेस्ट कराए। बताया गया है कि विद्युतकर्मी भी

रात दिन कोरोना योद्धा की तरह काम करके उपभोक्ताओं को रात्रिए बरसात व भयंकर गर्मी में पूर्ण रूप से विद्युत आपूर्ति दे रहे हैं। जो कि वास्तव में काबिल ए तारीफहै।

# दस्तावेज देने के नाम पर प्रधानाचार्य ने मांगा 80 हजार

## मुजफ्फरनगर निवासी पीडित छात्र ने एडीएम से लगाई गुहार

अमर भारती संवाददाता

**शामली।** मुजफ्फरनगर निवासी एक छात्र ने बनत स्थित एक कालेज के प्रधानाचार्य पर मूल दस्तावेज देने के नाम पर 80 हजार रुपये मांगने का आरोप लगाते हुए एडीएम से कार्रवाई की गुहार लगायी है। जानकारी के अनुसार जनपद मुजफ्फरनगर के गांव करवाडा निवासी मौ. अहसान ने शुक्रवार को भाकियू कार्यकर्ताओं के साथ तहसील पहुंचकर एडीएम को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसने वर्ष 2019 में शामली के बनत स्थित जैन कालेज आफ एजुकेशन में बीटीसी पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था। प्रवेश लेते समय कालेज ने उसके सारे शैक्षिक प्रमाण पत्र जमा करा लिए थे जिसके संबंध में उसे एक पावती रसीद भी दी गयी थी। उसने प्रथम सत्र की फीस कालेज में जमा करा दी थी लेकिन किसी कारणवश अब वह बीटीसी की पढाई जारी नहीं रख सकता, इसके लिए उसने कालेज के प्रधानाचार्य के पास अपने मूल दस्तावेज वापस करने का अनुरोध किया। मौ. अहसान का आरोप है कि कालेज प्रधानाचार्य ने उससे कहा कि जब तक तुम नए सेमेस्टर की फीस 80 हजार रुपये जमा नहीं करते, उसके दस्तावेज वापस नहीं किए जाएंगे जब उसने कहा कि जिस सैमेस्टर की उसने पढाई की है, उसकी फीस वह जमा कर चुका है लेकिन इसके बावजूद भी प्रधानाचार्य ने उसके दस्तावेज देने से साफ इंकार कर दिया। पीडित ने एडीएम से उसके दस्तावेज वापस दिलाने व प्रधानाचार्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस मौके पर भाकियू नेता कुलदीप पंवार, जिलाध्यक्ष कपिल खोटियान, दीपक शर्मा, संजीव राठी आदि भी मौजूद थे।

# मास्क न लगाने पर दुकानदारों से वसूला जुर्माना

**झिंझाना।** एसडीएम मनी अरोड़ा ने आज कस्बे में मास्क न लगा कर घूमने वालों व दुकानदारों की धरपकड़ करते हुए जुर्माना वसूला। उन्होंने व्यापारियों को अतिक्रमण करता पाया जाने और सफाई हेतु डस्टबीन न रखने पर कानूनी कार्यवाही करने व जुर्माना वसूलने की चेतावनी भी दी। शुक्रवार को एसडीएम मनी अरोड़ा ने अधिशासी अधिकारी योगेंद्र कुमार व पूरी टीम के साथ कस्बे के मुख्य बाजार में धरपकड़ अभियान चलाया। व्यापारियों में हड़कंप मच गया। कानून का सख्ती से पालन कराने में कड़क माने जाने वाली एसडीएम ऊन अरोड़ा ने दुकानदारों को डस्टबि न रखने व कोरोना से बचाव की जानकारी साझा करते हुए भविष्य में अतिक्रमण पाया जाने पर चालान भुगतने की चेतावनी भी दी। इस अवसर पर मास्क न लगाए जाने वाले 8 दुकानदारों से उन्होंने जुर्माना वसूल किया। मास्क न लगाने वाले दुकानदार अनुज, तक्सीम, प्रवीण ,संदीप ,मोहन, सुनील ,आशु एवं शिवकुमार को नसीहत करते हुए सो सो रुपए जुर्माना भी वसूल किया गया। इसके अलावा लगभग 17 दुकानदार सचिन, मेहरबान, प्रवीण, अतुल ,अनिल, अमित ,सरताज, संदीप ,मोहन, संजीव कुमार , कालू ,विपिन ,फरीद ,समीर, जुनेद एवं अनीस आदि से भी जुर्माना वसूला गया। अधिशासी अधिकारी के अनुसार लगभग ?3000 बतौर जुर्माना वसूलते हुए भविष्य में अतिक्रमण न करने ,दुकान में डस्टबिन रखने एवं मास्क लगाए जाने की सलाह एसडीएम महोदया अरोड़ा द्वारा सभी को दी गई। टीम में एसडीएम ,अधिशासी अधिकारी के अलावा वरिष्ठ लिपिक अशोक कुमार ,नदीम ,सफाई नायक अमित कुमार आदि मौजूद रहे।

अमर भारती में प्रकाशित समाचार, विचार, लेख अथवा विज्ञापन से यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो कृपया स्पष्टीकरण एवं सुझाव समूह सम्पादक की ईमेल- editor@amarbharti.com पर प्रेषित करें अथवा 9311222595 पर व्हाट्सएप करें।